The location-wise and other details are, however, maintained by different agencies at the district or State level.

(c) Yes, Sir.

(d) Does not arise.

(e) KVIC, BREDA and AIWC have planned a total target of setting up of about 400 family type biogas plants in the above districts during 1998-99.

गैर-पारंपरिक ऊर्जा का उत्पादन

1631. **श्री ओकार सिंह लखावत** : क्या गैर-पारंपरिक ऊर्जा स्रोत मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) देश में इस समय अनुमानतः कितनी गैर-पारंपरिक ऊर्जा का उत्पादन हो रहा है,

(ख) देश में सौर ऊर्जा उत्पन्न करने की किन-किन बड़ी परियोजनाओं पर कार्य चल रहा है और राजस्थान में सौर ऊर्जा उत्पादन की क्या स्थिति है, और

(ग) देश में कुछ ऊर्जा आपूर्ति में और ऊर्जा का हिस्सा कितना प्रतिशत है?

विद्युत मंत्री, संसदीय कार्य मंत्री और गैर-पारंपरिक ऊर्जा स्रोत मंत्री (श्री पी.आर. कुमारमंगलम) : (क) देश में पवन, लघु पनबिजली, बायोमास और सौर जैसे अपारंपरिक ऊर्जा स्रोतों पर आधारित ग्रिड-संबद्ध तथा विकेन्द्रिकृत उत्पादन के लिए लगभग 1364 में .वा. की कुछ क्षमता स्थापित की गई है। इन परियोजनाओं से प्रति वर्ष 2.5 बिलियन यूनिट से भी अधिक बिजली उत्पादित होने का अनुमान है । इसके अतिरिक्त , 2.75 मिलियन बायोगैस संयंत्र, 28.5 मिलियन उन्नत चूल्हें, जल तापन के लिए 0.45 मिलियन वर्ग मी. सौर संग्राहक, 0.46 मिलियन सौर कुकर और 1689 बायोमास गैसीफायर लगाए गए हैं।

(ख) वर्तमान में 650 कि.वी. के ग्रिड-संबंद्ध सौर प्रकाशवोल्टीय विद्युत संयंत्रोंस पर कार्य चल रहा है । इनमें से जैतपुराकला, मध्य प्रदेश में, हरिया, उत्तर प्रदेश में, किलतन, लक्षद्वीप और हैदारबाद प्रत्येक में 100 कि.वा. की परियोजनाएं हैं इसके अतिरिक्त 25-25 कि.वा. के तीन विद्युत संयंत्र सागर द्वीप, पश्चिम बंगाल में और न्योमा लद्दाख में 38.7 कि.वा. के एक संयंत्र की भी स्थानीय विद्युत आपूर्ति के लिए स्थापना की जा रही है।

राजस्थान में विकेन्द्रिकृत अनुप्रयोगों के लिए लगभग 1.2 मे.वा. क्षमता की सौर प्रकाशवोल्टीय प्रणालियां, जल तापन के लिए 5200 वर्ग मी. के सौर संग्राहक और 36000 सौर कुकर लगा गए है । अपारंपरिक ऊर्जा स्रोत मंत्रालय की विशेष प्रदर्शन परियोजना के तहत लगभग, 10,000 लोगों के लिए खाना तैयार करने हेतु ब्रह्मकुमारी संगठन द्वारा माउंट आबू के निकट तलेट में हाल ही में विश्व की सबसे बड़ी सौर भाप कुकिंग प्रणाली लगाई गई है। 1000 लोगों के लिए खाना पकाने हेतु इस प्रकार की एक प्रणाली माउंट आबू में उनके आश्रम में अप्रैल, 1997 से पहले से ही प्रचालन में है । 35 से 40 मे.वा. के सौर तापीय घटक के साथ एक 140 मे.वा. का एकीकृत सौर संयुक्त साइकल विद्युत संयंत्र जोधपुर के पास मथानिया में स्थापित किया जान प्रस्तावित है । इस संयंत्र की व्यवहार्यता अध्ययन और विस्तृत परियोजना रिपोर्ट पहले ही पूरी कर ली गई है ।

(ग) देश में कुल ऊर्जा आपूर्ति में सौर ऊर्जा का योगदान वर्तमान में 0.1% से कम है ।

सौर जेनरेटरों के लिए पायउट परियोजनाएं

1632. **श्री लक्खीराम अग्रवाल** : क्या गैर-पारंपरिक ऊर्जा स्रोत मंत्री य बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या सरकार ने दिल्ली एंव अन्य महानगरों में दुकानों में प्रयोग होने वाले मिट्टी के तेल अथवा पेट्रोल से चलने वाले जेनरेटरों के विकल्प केरूप में सौर जेनरेटरों के प्रदर्शन के लिए पायलट परियोजनाएं शुरू की है,

(ख) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्य है,

(ग) क्या सौर ऊर्जा द्वारा संचालित जेनरेटर पेट्रोल रो चलने वाले जेनरेटरों की तुलना में सस्ती लागत पर ऊर्जा प्रदान कर पाएंगे यदि हां तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है, और

(घ) किन-किन राज्यों में सौर ऊर्जा से चलने वाले जेनरेटरों का उत्पादन शुरू करने की प्रक्रिया शुरू की गयी है और इनकी क्षमता कितनी-कितनी है एंव इनके अन्य ब्यौरे क्या हैं?

विद्युत मंत्री, संसदीय कार्य मंत्री और गैर-पारंपरिक ऊर्जा स्रोत मंत्री (श्री पी.आर. कुमारमंगलम) : (क) से (ग) सौर प्रकाशवोल्टीय प्रणालियों का उपयोग मिट्टी के तेल या प्रेट्रोल से चलने वाले जेनरेटरों के विकल्प के रूप में दुकानों, घरों एंव वाणिज्यिक संस्थापनाओं मे आपात विद्युत आपूर्ति करने के लिए किया जा सकता है । ऐसी प्रणालियों की प्रारंभिक लागत मिट्टी के तेल या पेट्रोल-जेनरेटरों की तुलना में अधिक है । तथापि, सौर जेनरेटरों की चालू लागत बहुत कम है और कुछ परिस्थितयों में, यदि विद्युत की लागत की गणना जीवन-चक्र (लाईफ साइकिल)के आधार पर की जाए